निर्देशिका

सुमित्रा महिला महाविद्यालय, डुमराँव

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय आरा की संबंद्ध (स्थायी संबंद्धता प्राप्त) इकाई

स्व० सुमित्रा देवी

(स्थापना वर्ष 15 अगस्त 1984)

डॉ० शोभा सिंह

प्राचार्या

Contact No. 06323-222055 **Website:- smcollegedumraon.org**

सुमित्रा महिला महाविद्यालय

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

- दिनांक 10.04.1984, रामनवमी के दिन डॉ0 रघुवीर सिंह चिकित्सालय के प्रांगण में स्व0 राजधानी सिंह (धर्मपत्नी स्व0 डॉ0 जगनारायण सिंह) की अध्यक्षता में एक आम सभा में इस महाविद्यालय के सृजन का निर्णय हुआ।
- स्व0 सुमित्रा जी (धर्मपत्नी स्व0 डॉ0 रघुवीर सिंह) के कनिष्ठ पुत्र डॉ0 नन्दकिशोर सिंह ने जमीन दान दी, जिस पर जयेष्ठ पुत्र डॉ0 जगनारायण सिंह ने 15 अगस्त 1984 को वर्तमान महाविद्यालय की स्थापना की।
- दिनांक 15.08.1984 को ही नामांकन प्रारम्भ, कुल सात छात्राओं से महाविद्यालय का शुभारंभ
- दिनांक 22.09.1984 को डी0 के0 कॉलेज, डुमराँव के तत्कालीन प्रधानाचार्य डॉ0 रामेश्वर नाथ तिवारी द्वारा पाठ्यक्रम का विधिवत उद्घाटन।
- दिनांक 09.02.1985 को तत्कालीन कुलपति मगध विश्वविद्यालय श्री फहीमुद्दीन अहमद के कर कमलों द्वारा महाविद्यालय भवन का शिलान्यास।
- दिनांक 15.12.1989 को महाविद्यालय भवन का उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति पटना उच्च न्यायलय श्री उदय प्रताप सिंह के कर कमलों द्वारा सम्पन्न।
- आज महाविद्यालय में कुल छात्राओं की संख्या चार हजार पाँच सौ (4,500) से अधिक है।
- इस प्रकार सुमित्रा महिला महाविद्यालय स्व0 डॉ0 जगनारायण सिंह जी की उदारता, दानशीलता, समाज सेवा, एवं महिला शिक्षा के उत्थान की भावना का प्रतिफल है जो निश्चित ही उस समय महिला शिक्षा के उत्थान का एक क्रांतिकारी कदम था।
- इस समय महाविद्यालय में स्नातक स्तर तक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के शिक्षण की समुचित व्यवस्था है। इस महाविद्यालय का वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में अपना एक विशिष्ट स्थान है तथा डुमराँव अनुमंडल का एकमात्र् महिला महाविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है। इस महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण उत्कृष्ट है, जिसके कारण आज सुदूर क्षेत्रों की बच्चियाँ प्रतिदिन आकर शिक्षा ग्रहण करती है। यह महाविद्यालय आज भी अपने संस्थापक की शैक्षणिक भावना को साकार करने के लिए कृत संकल्प है तथा छात्राओं के सर्वागीण विकास के प्रति कटिबद्ध है।

महाविद्यालय की सुविधाएँ

- शिक्षणः महाविद्यालय में +2 (कला एवं विज्ञान) एवं स्नातक (कला विज्ञान एवं वाणिज्य) प्रतिष्ठा स्तर के मान्यता प्राप्त विषयों की पढ़ाई की व्यवस्था है।
- समय सारिणीः महाविद्यालय में वर्गो का संचालन निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार होता है। महाविद्यालय का कार्यकाल प्रातः 8:00 बजे से एवं ग्रीष्म काल में प्रातः 7:00 बजे प्रारंभ होता है।
- ड्रेसः महाविद्यालय का अपना एक निश्चित ड्रेस है, जिसमें छात्राओं को महाविद्यालय में आना अनिवार्य है।
- अनुशासनः–महाविद्यालय में अनुशासन पर पूरा ध्यान दिया जाता है। अनुशासनहीनता किसी भी परिस्थिति में क्षम्य नहीं है। दोषी छात्रा को आर्थिक दण्ड या परिस्थिति के अनुसार महाविद्यालय से निष्कासित भी किया जा सकता है, और उनके अभिभावक को इसकी सूचना से अवगत करा सकते है।
- छात्रवृति तथा पुरस्कारः– महाविद्यालय में गरीब छात्राओं के लिए दो छात्रवृति – (क) द्विवेदी छात्रवृति एवं (ख) श्रीमती श्यामा सिंह छात्रवृति की व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत चयनित दो छात्र को 100–100 रुपयें मूल्य की पुस्तकें दी जाती है। इण्टरमीडिएट कला/विज्ञान में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली एक छात्रा को 101 रुपये का विमी पुरस्कार दिया जाता है। साथ हीअनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक छात्रवृति एवं विकलांग छात्रवृति योजना के छात्राओं को बिहार सरकार/केन्द्र सरकार कल्याण विभाग द्वारा भी छात्रवृति दी जाती है। संबंधित छात्र इसके लिए निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन भरकर महाविद्यालय–कार्यालय में जमा करते है और विभागीय कार्यवाही के उपरान्त प्राप्त राशि को संबंधित छात्राओं को उपलब्ध करा दी जाती है।
- छात्र निःशुल्कता :– महाविद्यालय में नामांकित छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्राप्ति के लिए प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रत्येक वर्ग की कुल संख्या के 12.5% छात्राओं को सुविधा दी जाती है। निःशुल्कता का आधार मेधा सह निर्धनता है।
- राष्ट्रीय सेवा योजना :– महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय सेवा योजना' की एक इकाई कार्यरत है। यह भारत सरकार द्वारा संचालित एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य छात्राओं को सामाजिक दायित्व एवं राष्ट्र चेतना का विकास करना है।
- एन0 सी0 सी0 :– इस महाविद्यालय में एन0 सी0 सी0 की एक कम्पनी कार्यरत है तथा महाविद्यालय की छात्राएँ गणतंत्र दिवस परेड (दिल्ली) में शामिल होती रही है।
- चिकित्सा सुविधा :– महाविद्यालय की छात्राओं को चिकित्सा इसके संस्थापक डॉ0 जगनारायण सिंह द्वारा स्थापित पूर्ण रुप से सुसज्जित डॉ0 रघुवीर सिंह चिकित्सालय, डुमराँव की बेहतर सुविधा उपलब्ध है। छात्राएँ अपना परिचय–पत्र प्रस्तुत कर चिकित्सकीय सुविधा का लाभ उठा सकती हैं।
- पुस्तकालय :– महाविद्यालय में एक समृद्ध पुस्तकालय है। जहाँ छात्राओं के अध्ययन के लिए कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के संदर्भ ग्रंथो की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है।
- प्रयोगशाला :– महाविद्यालय में कला एवं विज्ञान संकाय हेतु सुसज्जित प्रयोगशालाएँ है, जहाँ छात्राओं के लिए प्रायोगिक क्रियाकलाप की सुविधाएँ उपलब्ध है।

- ❖ महाविद्यालय पत्रिका :– महाविद्यालय की छात्राओं में शैक्षणिक अभिरुचि को बढ़ावा देने के लिए समय–समय पर महाविद्यालय पत्रिका ''अस्मिता'' का प्रकाशन होता है। इसमें छात्राओं, शिक्षकों एवं सम्मानित रचनाकारों से उनकी रचनाएँ आमंत्रित एवं प्रकाशित की जाती है।
- ❖ परिचय पत्र :– महाविद्यालय में नामांकित छात्राओं को कार्यालय द्वारा परिचय–पत्र उपलब्ध कराये जाते है। छात्राओं को परिचय पत्र हमेशा अपने साथ रखना चाहिए। परिचय–पत्र खो जाने पर उचित प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर 50/– रुपये अतिरिक्त शुल्क के द्वितीयक परिचय–पत्र निर्गत किया जाता है।
- ❖ बस सेवा :– महाविद्यालय के छात्राओं की आवागमन की सुविधा के लिए रियायती दर पर महाविद्यालय द्वारा बस सेवा प्रदान की जाती है।
- ❖ अन्य क्रिया कलाप :– छात्राओं के सर्वागीण विकास हेतु महाविद्यालय में खेल–कूद, वाद–विवाद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन यथा–समय किय जाता है । वार्षिकोत्सव का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें छात्राओं को उनके उपलब्धियों के अनुसार परितोषिक एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किये जाते हैं। विगत वर्ष के अंतर विश्वविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम ''तरंग'' में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय एव तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रौशन किया है।

छात्रोपयोगी संबंधी अन्य सूचनाएँ

1. बिना पूर्व अनुमति के प्रधानाचार्य से सम्पर्क करना निषिद्ध है। एतदर्थ छात्र/छात्राओं को सादे कागज पर अपना नाम, वर्ग क्रमांक तथा वर्ग का नाम लिखकर आदेशपाल/सेविका को देना चाहिए तथा प्रधानाचार्य से अनुमति प्राप्त होने के बाद ही उनके कार्यकाल–कक्ष में प्रवेश करना चाहिए।
2. विभिन्न प्रकार के आवेदन/परीक्षा प्रपत्रों को जमा करने संबंधी नियमः

   (क) समय–सारणी एवं विषय/संकाय परिवर्तन संबंधी आवेदन–पत्र प्रभारी, शिक्षक/शिक्षिका के पास जमा किये जायेंगे।

   (ख) नांमांकन, पुनःप्रवेश, विविध शुल्क आदि से संबंधित आवेदन–पत्र प्रधानाचार्य के पास प्रस्तुत करना है।

   (ग) पुस्तकालय संबंधित आवेदन–पत्र पुस्तकालय प्रभारी के पास देना है।

   (घ) आवेदन–पत्र जमा करने के लिए यदि पत्र–पेटिका उपलब्ध कराई गई हो तो आवेदन–पत्रों को पत्र पेटिका में ही डालना है।

   (ङ) छात्राओं को अपने आवेदन–पत्र/परीक्षा प्रपत्र स्वंय भरना चाहिए तथा उस पर अपना स्पष्ट हस्ताक्षर अंकित करना चाहिए।

छात्राओं के आचरण संबंधी नियम

(क) महाविद्यालय अपने छात्राओं से सभी संबंद्ध मामलों में नियमानुकूल आचरण की अपेक्षा रखता है। किसी को भी नियमों की जानकारी नहीं रखने के कारण कोई लाभ देय नही होगा।

(ख) शिक्षण के समय निरुद्देश्य घूमना, परिसर से जहाँ–तहाँ इकट्ठा होना अथवा साईकिलें खड़ा करना, अध्ययन–अध्यापन में व्यवधान डालना दण्डनीय अपराध है।

(ग) बिना सूचना/अनुमति के एक सप्ताह या इससे अधिक अवधि तक अनुपस्थित रहने वाले छात्राओं को इसके लिए, पर्याप्त कारण बताते हुए अपने माता–पिता/अभिभावक आवेदन–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

(घ) महाविद्यालय की प्रतिष्ठा धूमिल करने वाले कार्यो/प्रयासों में प्रत्यक्ष रुप से सम्मिलित होने वाले छात्राओं को दण्डित किया जायेगा।

(ङ) महाविद्यालय की सम्पति को क्षति पहुँचाना, बिना अनुमति स्थानान्तरित करना अथवा उसका दुरुपयोग करना गैर–अनुशासनिक आचरण माना जायेगा।

(च) छात्राओं को आपस में एक दूसरे के प्रति आदर–भाव रखना चाहिए।

(छ) छात्राओं को सभ्य वस्त्र महाविद्यालय के ड्रेस कोड में ही आना चाहिए, महाविद्यालय परिसर में अधिक भड़कीले एवं अवांछनीय वस्त्रों का प्रयोग वर्जित है।

(ज) राष्ट्र–गान/राष्ट्रीय ध्वज के प्रति उचित सम्मान प्रदर्शित करना प्रत्येक छात्रा का पुनीत कर्तव्य है।

(झ) छात्राओं को अपने शिक्षक/शिक्षिकाओं के प्रति सम्मान की भावना रखनी चाहिए तथा उनकी आज्ञाओं का पालन करना चाहिए।

(ञ) शुल्क जमा करने, पुस्तकालय से पुस्तकों का आदान–प्रदान करने जैसे अवसरों, पर छात्राओं को धैर्य से काम लेना चाहिए तथा पक्ति में खड़ा होना चाहिए।

(ट) किसी बाहरी व्यक्ति को महाविद्यालय परिसर में लाना अनुशासनहीनत आचरण माना जाएगा।

(ठ) महाविद्यालय अपने छात्र/छात्राओं से यह अपेक्षा रखता है कि महाविद्यालय का परित्याग करने के बाद वे जिस भी वृति में लगे, उसकी सूचना महाविद्यालय को अवश्य दें।

नामांकन संबंधी आवश्यक सूचनाएँ एवं निर्देश

- महाविद्यालय में इस वर्ष नये सत्र (2015–16) से विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त आदेशानुसार नामांकनऑनलाइन शुरु किया जा रहा है। जिसका निर्धारित प्रपत्र महाविद्यालय के वेबसाइट smcollegedumraon.org पर उपलब्ध है।
- नामांकन का कार्य मैट्रिक तथा इन्टर की परीक्षा के परीक्षाफल प्रकाशित होने के साथ ही प्रारंभ हो जाता है, नामांकन संबंधित सभी सूचनाएँ महाविद्यालय परिसर के सूचना–पट एवं महाविद्यालय के वेबसाइट पर छात्राओं एवं अभिभावकों की सुविधा के लिए उपलब्ध करायी जाती है।
- नामांकन का आधार वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय/बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक) द्वारा निर्धारित मापदण्ड है।
- नामांकन में आरक्षण के प्रावधान :–

(क)	अनुसूचित जाति	–	16%
(ख)	अनुसूचित जनजाति	–	1%
(ग)	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग	–	12%
(घ)	पिछड़ा वर्ग	–	15%

- नामांकन के समय छात्राओं को निम्नांकित कागजात/प्रमाण–पत्र आदि प्रस्तुत करना होगा।

(क) विद्यालय/महाविद्यालय परित्याग प्रमाण–पत्र (मूल प्रति के साथ एक छाया प्रति।)

(ख) दूसरे विश्वविद्यालय/राज्य अथवा राज्यों के परीक्षा बोर्डों से आने की स्थिति में प्रवजन प्रमाण–पत्र (मूल प्रति के साथ एक छाया प्रति।)

(ग) मूल अंक–पत्र के साथ एक छायाप्रति (छाया प्रति के सत्यापनापरान्त मूल प्रति वापस कर दी जायेगी।)

(घ) आचरण प्रमाण–पत्र की छाया प्रति।

(ङ) पूर्व परीक्षा का प्रवेश–पत्र मूल प्रति के साथ एक छाया प्रति ।

(च)जाति एवं आय प्रमाण–पत्र मूल प्रति के साथ एक छाया प्रति (यदि नामांकन आरक्षित कोटे में अपेक्षित हो।

(छ) विकलांगता (50% से अधिक) अथवा खेल–कूद से संबंधित प्रमाण–पत्र की छाया प्रति (सत्यापनार्थ मूलप्रति आवश्यक।)

(ज) छात्रा का तत्कालीन पासपोर्ट साइज फोटो 2 प्रतियाँ।

इण्टरमीडिएट पाठ्यक्रम

+2 के विद्यार्थियों के लिए 100 अंको का भाषा विषय अनिवार्य है जिसमें 50 अंकों की हिन्दी सबके लिए अनिवार्य है। शेष 50 अंकों के लिए अंग्रेजी या उर्दू में से कोई एक विषय विद्यार्थी रख सकते हैं।

अनिवार्य पत्र :–

हिन्दी– 50 अंक, अंग्रेजी/उर्दू – 50 अंक

इसके साथ–साथ निम्नलिखित भाषा–समूह में से कोई एक भाषा रखना भी रखना अनिवार्य है।

भाषा–समूह (100 अंक) :–

1. हिन्दी, 2. उर्दू , 3. अंग्रेजी, 4. संस्कृत

पाठ्यक्रम का दूसरा भाग विषय–समूह है जिसमें से कोई तीन विषय रखे जा सकते है।

विषय समूह (विज्ञान)

1. गणित 2. भौतिक विज्ञान 3. रसायन विज्ञान 4. जीव विज्ञान

विषय समूह (कला)

1. इतिहास 2.राजनीति शास्त्र 3.भूगोल, 4.अर्थशास्त्र 5.मनोविज्ञान 6.दर्शनशास्त्र 7.समाजशास्त्र 8.गृहविज्ञान

❖ आन्तरिक परीक्षा :– महाविद्यालय में 11वी कक्षा का आन्तरिक परीक्षा (Internal Exam) होता है, 11वीं परीक्षा उर्तीण छात्राओं का नामांकन 12वीं कक्षा में किया जाता है।

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम तीन खण्ड़ों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड की अवधि एक शैक्षिणिक सत्र है। 1988–89 से सह समेकित पाठ्यक्रम राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में लागू है। यह पाठ्यक्रम दो प्रकार का है :–

1. सामान्य पाठ्यक्रम (General Course) तथा
2. प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (Honours Course)

सामान्य अथवा प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का चयन प्रथम खण्ड में नामांकन के समय ही करना आवश्यक है। प्रतिष्ठा विषय में पाठ्यक्रम के लिए उक्त विषय में 45% अंक होना चाहिए। प्रथम खण्ड में चयनित पाठ्यक्रम ही तीनों खण्डों का पाठ्यक्रम माना जायेगा तथा बीच में दूसरे पाठ्यक्रम में स्थानान्तरण मान्य नही होगा।

तीनों खण्डों में से प्रत्येक के समापन पर विश्वविद्यालय परीक्षा होगी और अन्तिम परीक्षा में तीनों परीक्षाओं के प्राप्तांकों के आधार पर ही श्रेणी का निर्धारण होगा।

स्नातक प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड (कला एवं विज्ञान) में नामांकन के लिए

(क)इण्टर कला एवं विज्ञान (जैसी स्थिति हो) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

(ख) जिस विषय का प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम रखना अपेक्षित हो, उसमें इण्टर स्तर पर न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक रहना अनिवार्य है।

(ग) यदि कोई छात्र/छात्रा इण्टर परीक्षा विज्ञान अथवा वाणिज्य संकाय में उत्तीर्ण हो और स्नातक कला प्रथम खण्ड में नामांकन कराना चाहती है तो सामान्य पाठ्यक्रम में नामांकन हो सकता है अथवा न्यूनतम उत्तीर्णांक (सभी विषय मिलाकर) 45 प्रतिशत होने की स्थिति में प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम में भी उसका नामांकन हो सकता है।

विषय समूह –बी0 ए0 पार्ट I (प्रतिष्ठा) – 500 अंक

1. अनिवार्य विषय : हिन्दी रचना (100 अंक, एक पत्र)
2. प्रतिष्ठा का विषय : निम्नलिखित उपलब्ध विषयों में से कोई एक

(100–100 अंक, प्रथम एवं द्वितीय पत्र)

1. अग्रेजी 2. हिन्दी 3. उर्दू 4. राजनीति विज्ञान 5. इतिहास 6. अर्थशास्त्र 7. मनोविज्ञान 8. दर्शनशास्त्र 9. भूगोल

3. सहायक विषय : प्रतिष्ठा के विषय को छोड़कर उपलब्ध विषयों में से कोई दो विषय

(100–100 अंक, प्रथम एवं प्रथम पत्र)

विषय समूह – बी0 ए0 पार्ट II (प्रतिष्ठा) – 500 अंक

1. अनिवार्य विषय : हिन्दी रचना (100 अंक, द्वितीय पत्र)
2. प्रतिष्ठा का विषय : पार्ट I में चुने गये विषय का तृतीय एवं चतुर्थ पत्र (100–100 अंक)
3. सहायक विषय : पार्ट I में चुने गये विषयों के द्वितीय पत्र (प्रत्येक 100–100 अंक)

विषय समूह – बी0 ए0 पार्ट III (प्रतिष्ठा) – 500 अंक

1. प्रतिष्ठा का विषय : पार्ट I में चुने गये विषय का पंचम, षष्ठ्म, सप्तम एवं अष्टम् पत्र,प्रत्येक100–100 अंक)
2. समान्य अध्ययन : एक पत्र – 100 अंक

विषय समूह –बी0 एस0सी0 पार्ट I (प्रतिष्ठा) – 500 अंक

1. अनिवार्य विषय : हिन्दी रचना (100 अंक, एक पत्र)
2. प्रतिष्ठा का विषय : निम्नलिखित उपलब्ध विषयों में से कोई एक प्रथम एवं द्वितीय पत्र

(100–100 अंक, प्रैक्टीकल सहित)

1. भौतिक विज्ञान 2. रसायन विज्ञान 3. गणित 4. जन्तु विज्ञान 5. वनस्पति विज्ञान

3. सहायक विषयः प्रतिष्ठा के विषय को छोड़कर उपलब्ध विषयों में से कोई दो विषय के

(100–100 अंक, दोनो विषयों का प्रथम पत्र)

विषय समूह – बी0 ए0 सी0 पार्ट II (प्रतिष्ठा) – 500 अंक

1. अनिवार्य विषय : हिन्दी रचना (100 अंक, द्वितीय पत्र)
2. प्रतिष्ठा का विषय : पार्ट I में चुने गये विषय का तृतीय एवं चतुर्थ पत्र (100–100 अंक, प्रैक्टीकल सहित)
3. सहायक विषय : पार्ट I में चुने गये विषयों के द्वितीय पत्र (100–100 अंक)

विषय समूह – बी0 ए0 सी0 पार्ट III (प्रतिष्ठा) – 500 अंक

1. अनिवार्य विषय : पार्ट I में चुने गये विषय का पंचम, षष्ठ्म, सप्तम एवं अष्टम् पत्र

(100–100 अंक, प्रैक्टिकल सहित)

2. समान्य अध्ययन : एक पत्र – 100 अंक

त्रिवर्षीय बी0 कॉम पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड की अवधि एक शैक्षणिक सत्र है।

1988–89 से यह समेकित पाठ्यक्रम राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में लागू है। यह पाठ्यक्रम दो प्रकार का है :–

1. सामान्य पाठ्यक्रम (General Course)तथा
2. प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (Houours Course)

प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का चयन प्रथम खण्ड में नामांकन के समय ही करना आवश्यक है।

प्रथम खण्ड में चयनित पाठ्यक्रम ही तीनों खण्डों का पाठ्यक्रम माना जायेगा तथा बीच में दूसरे पाठ्यक्रम में स्थानान्तरण मान्य नही होगा।

तीनो खण्डों में प्रत्येक के समापन पर विश्वविद्यालय परीक्षा होगी और अन्तिम परीक्षा में तीनों परीक्षाओं के प्राप्तांकों के आधार पर ही श्रेणी का निर्धारण होगा।

स्नातक प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड (वाणिज्य) में नामांकन के लिए :–

(क) इण्टर विज्ञान या वाणिज्य में उत्तीर्ण, होना अनिवार्य है।

(ख) इण्टर विज्ञान के वैसे छात्रों का नामांकनB.Comमें हो सकता है जिन्होंने इण्टर में न्यूनतम50%प्राप्तांक प्राप्त किया है।

(ग) जिस विषय का प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम रखना आपेक्षित हो, उसमें इण्टर स्तर पर न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक रहना अनिवार्य है।

सामान्य पाठ्यक्रम

B.Com. Part – I (General) – 400 marks

Compulsory paper -	Hindi Compotation	100 marks
	OR	
For Non-Hindi Students -	Hindi Compotation	50 marks
	Other language	50 marls
General paper -	1. Business Organization	100 marks
	2. Financial Accounting	100 marks
	3. Principles of Economics	100 marks

B.Com. Part – II (General)– 400 marks

Compulsory paper -	Hindi Compotation	100 marks
For Non-Hindi Students -	Hindi Compotation	50 marks
	Other language	50 marls
General paper -	1. Business Law	100 marks
	2. Money and Banking	100 marks
	3. Planning & Economic Development	100 marks

B.Com. Part – III (General) – 400 marks

General & Environmental Studies (GES) -		100 marks
General paper -	1. Auditing	100 marks
	2. Cost Accounts & income Statistics	100 marks
	3. Business Math. & Statistics	100 marks

प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम

(Honours Course)

Students may choose any one Hons. Group i.e. (A or B)

B.Com. (Hons) – Part – I 500 marks

(Accounts – Group – A)

Compulsory paper -	Hindi Compotation	100 marks
	OR	
For Non-Hindi Students -	Hindi Compotation	50 marks
	Other language	50 marls
Honours paper -	1. Financial Accounting	100 marks
	2. Auditing	100 marks
Subsidiary papers-	1. Business Organization	100 marks
	2. Principles of Economics	100 marks

B.Com. (Hons) – Part – II 500 marks

(Accounts – Group – A)

Compulsory paper -	Hindi Compotation	100 marks
	OR	
For Non-Hindi Students -	Hindi Compotation	50 marks
	Other language	50 marls
Honours paper -	1. Business Law	100 marks
	2. Specialized Accounts	100 marks
Subsidiary papers-	1. Money & Banking	100 marks
	2. Planning & Economic Development	100 marks

B.Com. (Hons) – Part – III 500 marks

(Accounts – Group – A)

General & Environmental Studies (GES) -		100 marks
Honours paper -	1. Cost Accounting	100 marks
	2. Management Accounting	100 marks
	3. Taxation Law & Accounts	100 marks
	4. Business Moths. & Statistics	100 marks

B.Com. (Hons) – Part – I 500 marks
(Corporate Administration – Group – B)

Compulsory paper -	Hindi Compotation	100 marks
	OR	
For Non-Hindi Students -	Hindi Compotation	50 marks
	Other language	50 marls
Honours paper -	1. Business Organization	100 marks
	2. Company Accounting	100 marks
Subsidiary papers-	1. Business Organization	100 marks
	2. Principles of Economics	100 marks

B.Com. (Hons) – Part – II 500 marks
(Corporate Administration – Group – B)

Compulsory paper -	Hindi Compotation	100 marks
	OR	
For Non-Hindi Students -	Hindi Compotation	50 marks
	Other language	50 marls
Honours paper -	1. Business Law	100 marks
	2. Company Law & Administration	100 marks
Subsidiary papers-	1. Money & Banking	100 marks
	2. Planning & Economic Development	100 marks

B.Com. (Hons) – Part – III 500 marks
(Corporate Administration – Group – B)

General & Environmental Studies (GES) -		100 marks
Honours paper -	1. Secretarial Practice	100 marks
	2. Corporation Finance	100 marks
	3. Corporate Taxation	100 marks
	4. Business Moths. & Statistics	100 marks

(नोट :– वाणिज्य संकाय में नामांकन विश्वविद्यालय/सरकार की अनुमति के उपरान्त लिया जायेगा।)

शुल्क तालिका

क्र. सं.	शुल्क का नाम	इंटरमीडिएट		स्नातक		
		कला	विज्ञान	कला	विज्ञान	वाणिज्य
1	शिक्षण शुल्क	1500	1500	1560	1560	—
2	नामांकन शुल्क	125	125	130	130	—
3	पंखा शुल्क	25	25	25	25	—
4	निर्धन छात्रा शुल्क	30	30	30	30	—
5	पुस्तकालय शुल्क	60	60	60	60	—
6	पत्रिका शुल्क	35	35	35	35	—
7	चिकित्सा शुल्क	40	40	40	40	—
8	कॉमन रुम	30	30	30	30	—
9	खेलकूद महाविद्यालय	40	40	55	55	—
10	परिचय पत्र	25	25	25	25	—
11	पंजीयन शुल्क	—	—	100	100	—
12	जमानत शुल्क	—	—	—	40	—
13	प्रयोगशाला शुल्क	—	140	—	100	—
14	विशेष विज्ञान शुल्क	—	—	—	20	—
15	एन.एस.एस.	—	—	20	20	—
16	एकलव्य व क्रीड़ा शुल्क	40	40	48	48	—
17	विकास निधि	760	760	760	760	—
18	कास्ट ऑफ रेमिटेंस	140	140	140	140	—
19	झण्डा शुल्क	—	—	7	7	—
कुल शुल्क		**2850**	**2990**	**3065**	**3225**	—

कला संकाय के चयनित विषयों में प्रायोगिक विषय रहने पर 100 रुपया अतिरिक्त देय होगा।

नोट : 1. सूचीकरण/पंजीकरण/परीक्षा शुल्क आदि निर्देशानुसार लिया जाएगा